Regarding human-elephant conflicts in Odisha-Laid

श्री रुद्र नारायण पाणी **(**धेन्कानल**) :** हाल के वर्षों में, देश भर में मानव हाथी संघर्ष के कई मामले देखे गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप दोनों तरफ से मौतें हुई है । यह बढ़ती प्रवृति हाथियों के संरक्षण के साथ-साथ मानव जीवन की हानि से निपटने के लिए सार्वजनिक प्राधिकरण की ओर से गहन चिंता का विषय बन गई है । हाथियों के संरक्षण और सुरक्षा के साथ-साथ मानव जीवन को बचाना ही सबसे महत्वपूर्ण है । हाथियों का संरक्षण आवश्यक है क्योंकि ये बलशाली जानवर हमारे पारिस्थितिक सतुलन का एक अभिन्न अंग है ।

पिछले 5 वर्षों में 2019-20 से 2023-24 के दौरान देश में कुल 2853 लोगों ने अपनी जान गवाई है जिनमें से 624 लोग केवल ओडिशा के हैं । पिछले एक साल में ओडिशा में मानव-हाथी संघर्ष के कारण 154 लोगों की मौत हुई है जो अब तक सबसे अधिक है । मेरा निर्वाचन क्षेत्र धेन्कानल मानव हाथी संघर्ष का केंद्र बन गया है । वर्ष 2023-24 के दौरान ओडिशा के धेन्कानल जिले के हिंदोल और अंगुल जिले के बंतला वन रेंज में क्रमश 15 और 13 लोगों ने अपनी बहुमूल्य जान गवाई है ।

इसी तरह से ओडिशा भी धीरे-धीरे हाथियों के लिए कब्रगाह बनता जा रहा है. पिछले 5 वर्षों (2018 19 से 2022-23) के दौरान ओडिशा में कुल 430 हाथियों की मौत ट्रेन दुर्घटनाओं बिजली के झटके और अवैध शिकार आदि कारणों से हुई है । इस मामले की गंभीरता को विभिन्न संगठनों और नेताओं के द्वारा राज्य और केंद्र स्तर पर विभिन्न मंचों पर पहले ही उठाया जा चुका है ।

ओडिशा में ऐसी खतरनाक स्थिति को देखते हुए मुझे विश्वास है कि सरकार ओडिशा और विशेष रूप से मेरे संसदीय निर्वाचन क्षेत्र धेन्कानल और आसपास के क्षेत्रों में मानव और हाथियों के सामजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए इस ज्वलंत समस्या की उच्च प्राथमिकता के साथ वैज्ञानिक पद्धति से निराकरण करने के लिए कदम उठाएगी ।